मूल्य - 5 रु.

तारांशु
मासिक
फरवरी - 2017
वर्ष 5, अंक 5, पृ.सं. 20

बुजुर्गों के लिए...

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर भवन निर्माण विशेषांक

नवीन आनन्द वृद्धाश्रम का प्रस्तावित एलिवेशन

आनन्द वृद्धाश्रम के नवीन परिसर हेतु भूमि पूजन

दिः 11 अक्टूबर, 2016 को तारा परिवार व उनके 100 से अधिक दान–दाता और मेहमान एकत्र हुए और उदयपुर के सेक्टर –14 क्षेत्र में भूमि स्थल पर ''भूमि पूजन'' समारोह में भाग लिया। इस शुभ अवसर पर वहाँ मौजूद आनंद वृद्धाश्रम–वासी भी नयी इमारत के निकट भविष्य में निर्माण होने की संभावना पर बहुत खुश थे। पूरे भारत से आए तारा संस्थान के शुभ चिंतकों और दानदाताओं ने इस परियोजना को मुक्त–हस्त योगदान की घोषणाएँ कीं।

Tara
बुजुर्गों के लिए...

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम के नवीन परिसर हेतु भूमि पूजन	02
अनुक्रमणिका	03
एक आशियाना बसाने की तैयारी	04
अपनों से अपनी बात / भार्गव दम्पति को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई	05
भवन निर्माण की विभिन्न अवस्थाएँ	06
नवीन परिसर के निर्माण में योगदान हेतु दान योजना	07
आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश हेतु भेजे गए पत्र	08
आनन्द वृद्धाश्रम के नवीनतम मेहमान	09
नवीन परिसर में प्रस्तावित सुविधाएँ	10
आनन्द वृद्धाश्रमवासियों की मस्ती भरी दिनचर्या	11
आनन्द वृद्धाश्रमवासियों के भोजन की तैयारी	12
तृप्ति योजना / गौरी योजना / रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम, इलाहाबाद	13
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर / भूमि दान दाताओं की सूची	14-15
स्वागत	16
धन्यवाद	17-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश "मानव" की सन्निधि में
साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

एक आशियाना बसाने की तैयारी....

मेरा हमेशा से यह मानना है कि कोई भी कार्य करो उसमें ईश्वर की सहमति हो तो ही वो अंजाम तक पहुँचता है और जैसे– जैसे आप मेहनत करते जाते हैं ईश्वर का आशीर्वाद और सहयोग मिलता जाता है, काम करने की नीयत नेक हो तो ईश्वर आगे से आगे रास्ता बनाता जाता है। कुछ ऐसा ही ''तारा'' के साथ हुआ, प्रारम्भ में कुछ भी परिकल्पना नहीं थी कि क्या होगा कैसे होगा.... बस एक जरूरतमंद जमनालाल जी थे जिनका मोतियाबिन्द ऑपरेशन पैसे देकर कराया तो लगा कि ऐसे बहुत से लोगे होंगे जिन्हें छोटे से मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए पैसे जुटाने में भी मुश्किल होगी, तो बस तारा नेत्रालय खुलते गए। आँखों के कैम्प लगे तो उनमें बहुत से बेसहारा बुजुर्ग आते थे तो उनके लिए विचार आया कि वृद्धाश्रम खोला जाए और इस तरह 3 फरवरी, 2012 को ''आनन्द वृद्धाश्रम'' उदयपुर में प्रारम्भ हुआ। सबसे पहले 25 बेड थे तो लगता था कि इतने लोग भी होंगे क्या रहने को, क्योंकि हमारी संस्कृति तो माता–पिता को भगवान मानती है लेकिन जो स्थिति सामने आई वो बहुत अच्छी नहीं थी। कितने बुजुर्ग ऐसे थे जो सिर्फ इसलिए बच्चों के पास रह रहे थे कि कोई विकल्प ही नहीं था। बूढ़ा शरीर, आय का कोई साधन नहीं, बच्चे अच्छे भी हैं तो उनके पास समय नहीं, न जाने कितनी समस्याएँ.... जब सहने का सीमा खत्म हो जाती है तो ये बुजुर्ग घर छोड़ देते हैं और यकीन मानिये कितने बुजुर्ग मेरे सामने बैठ कर फूट–फूटकर रोये होंगे और ऐसा होना जायज है अपना घर, अपना शहर, अपने बच्चे, सब कुछ छोड़कर एक अनजानी जगह जाना जहाँ आप परायों पर निर्भर हो तो कोई कितना भी मजबूत हो रोना आ ही जाता है। एक बेटी विदाई के समय कितना रोती है जबकि उसका संबंध तो पीहर से बना रहता है लेकिन हमारे पास आने वाले बहुत से बुजुर्ग तो सारे रिश्ते नाते हमेशा के लिए छोड़ कर आते हैं। शुरूआत में तो हर रोने वाले के साथ मुझे भी बहुत रोना आता था लेकिन अब उतना नहीं आता, शायद दर्द देख–देखकर थोड़ी मजबूती आ गई। कुछ बुजुर्ग तो ऐसे आए जिन्होंने कहा कि आप आसरा नहीं दोंगे तो हम आत्महत्या कर लेंगे। मुझे पता है कि ऐसा नहीं होता क्योंकि मरना आसान होता तो हर आदमी जो तकलीफ में होता मर जाता लेकिन ईश्वर ने हमें चुन लिया था इस निराश मनों को अपने परिवार का हिस्सा बनाने को। जब 25 बेड के आनन्द वृद्धाश्रम में 18–19 बेड भर गए तो चिंता हुई अब कोई आया तो मना कैसे करेंगे सो तारा की एकमात्र बिल्डिंग में जोड़–तोड़कर कमरे निकालते रहे और आखिर में एक वार्ड को खाली कर हॉस्पीटल के पलंग बाहर लगाए और वार्ड को वृद्धाश्रम के लिए दिया लेकिन.... वृद्धाश्रम के बेड भरते गए और हमारी 50 की क्षमता भी भरने लगी तो बस यही चिंता थी कि अब क्या होगा? पूरे उदयपुर में जमीन तलाश की जो हमारे बजट में होवें और साथ ही शहर से बहुत दूर न हो क्योंकि मैं बिल्कुल नहीं चाहती थी कि सस्ती जमीन के चक्कर में रहने वाले बुजुर्ग इतना दूर चले जाएं कि उनको अकेलापन का एहसास हो। तभी ईश्वर ने रास्ता दिखाया, किसी ने राय दी की उदयपुर में कहीं सरकारी जमीन नीलाम हो रही है जो शहर के बीच है तो बस हिम्मत की और दो प्लाट ले लिए। प्लाट शहर में थे सो महँगे थे लेकिन बैंक से लोन लिया और आप सबको एक प्रस्ताव भेजा कि भूमि के लिए दान देवें। हमें बहुत उम्मीद नहीं थी क्योंकि आम तौर पर भूमि के लिए दान कम मिलता है लेकिन आप सभी ने सहयोग भी दिया.... लोन उतरने लगा। अब जब प्लाट पर भूमि पूजन हो गया है और निर्माण का काम भी प्रारम्भ हो गया है तो तारांशु का यह विशेषांक नये आनन्द वृद्धाश्रम निर्माण को समर्पित है। हमें अच्छी तरह पता है कि जब ईश्वर हमें आने वाले हर बुजुर्ग की व्यवस्था करने का स्वप्न दिखाता है तो साथ–ही–साथ आपके मन में भी यह भाव जागना है कि आप भी इस अच्छे काम में सहयोगी बनें। तो आपके और हमारे निमित्त बनने से एक सुन्दर सा आशियाना बनेगा उन कुछ लोगों के लिए जिनको थोड़ा सा सुकून चाहिए कि बस वो इस एहसास के साथ दुनिया से विदा ले लें कि उनके लिए भी कोई है और हाँ आप ये भी पूछ सकते हैं कि जब ये 150 बेड का वृद्धाश्रम भी भर जाएगा तो? तो फिर ईश्वर आगे का रास्ता भी दिखाएगा, मुझे विश्वास है कि आपका स्नेह बना रहेगा।

आदर सहित....!

कल्पना गोयल

अपनों से अपनी बात....

प्यारे परिजनों,

आप सोचेंगे कि आपको परिजन कहने वाला यह अनजान व्यक्ति कौन है, लेकिन एक छोटी–सी जिम्मेदारी तारा संस्थान मुख्य संरक्षक की मुझे मिली है और आप सब भी तारा परिवार के सदस्य हैं और फरवरी, 2017 में, मैं 84 वर्ष का हो गया हूँ तो शायद यही उद्बोधन उपयुक्त लगा मुझे। तारा परिवार से जुड़ना मेरे और आपके लिए बहुत सौभाग्य की बात है, ठाकुर जी की कृपा से हम सभी अपनी सामर्थ्य के अनुसार तारा में सहयोग करते रहें हैं और जो भी काम तारा के द्वारा हो रहे हैं उससे आत्मिक संतोष मिलता है। ठाकुर जी ने और सेवाओं में सहयोग तो कराया ही है लेकिन अपने दिवंगत पुत्र की स्मृति में चल रहे ''शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल'' को प्रारम्भ करने में निमित्त बनाया जिसमें विधवा महिलाओं के नन्हें बच्चों को पढ़ते देखना बहुत आनन्द देता है। मेरा प्रयत्न रहता है कि साल में एक बार तारा संस्थान अवश्य जाऊँ जिससे कि कैसा काम हो रहा है उसका भान भी होंवे और इन बच्चों का उत्साहवर्धन भी होंवे। दान देना अपनी जगह है लेकिन मैं आप सभी दानदाताओं से भी कहूँगा कि कभी–न–कभी ''तारा संस्थान'' अवश्य जावें और यकीन मानिये आपको यहाँ आकर नयी ऊर्जा मिलेंगी। तारा संस्थान एक अच्छा काम कर रही है और हमारा दिये हुए धन का पूरा सदुपयोग हो रहा है इसका विश्वास मैं दिला सकता हूँ, वैसे मुझे लगता है कि आपको यकीन है तभी तो आप संस्थान को निरंतर सहयोग कर रहे हैं लेकिन परिवार के वरिष्ठ सदस्य होने के नाते आप सबको आश्वस्त कर दिया। ''तारा'' का नया आनन्द वृद्धाश्रम बन रहा है ठाकुर जी मुझसे भी जो बन पड़ेगा वो करवाएँगे और आपसे भी करवाएँगे, मेरी आँखें तो अभी से सपने देख रही है 100 – 150 बुजुर्ग जो अपनों के साथ नहीं हैं वो एक परिवार की तरह मिल जुल कर रहेंगे। वृद्धाश्रम में आने की वजह का दुःखद पहलु हटा दें तो फिर सुख ही सुख तो है। एक ऐसा निश्चित जीवन जो कि हर वृद्ध चाहता हो जहाँ न खाने की चिंता हो, न रहने की, न कपड़ों की, न दवाइयों की और सबसे बड़ी बात आपसे बोलने वाला कोई तो है। आप सब स्कूल कॉलेज में कभी–न–कभी हॉस्टल में तो रहे होगे। जहाँ बहुत से साथी होते थे थोड़ा लड़ाई–झगड़ा भी तो बस ऐसा ही कुछ तो होने वाला है। जब यह भवन बन जाएगा तो सालों तक न जाने कितने बुजुर्गों को आश्रय देगा। साल गुजरते रहेंगे हम रहे या न रहे सेवा होती रहेगी कोई भी बेसहारा बुजुर्ग निराश नहीं जाएगा। कभी–कभी दिल में आता है तो आप सबसे इस पत्रिका के माध्यम से बात कर लेता हूँ आगे भी करता रहूँगा। मुझे विश्वास है कि इन बच्चों पर आप सब आशीर्वाद बनाए रहेंगे।

आपका अपना....!

नगेन्द्र प्रकाश भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान

भार्गव दम्पति को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शतायु होने की कामना!

'तारा संस्थान' के मुख्य संरक्षक दिल्ली निवासी प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज सेवी श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव एवं धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा भार्गव दोनों का ही जन्मदिवस 9 फरवरी को आता है। इस वर्ष श्री भार्गव सा. 84 वें एवम् श्रीमती भार्गव के 80 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'तारा संस्थान' परिवार 'भार्गव दम्पत्ति' को हार्दिक शुभकाम–नाएँ व्यक्त करते हुए इस दयाशील दम्पत्ति के सुदीर्घ–सक्रिय–स्वस्थ जीवन की प्रभु से प्रार्थना करता है।

भवन निर्माण की विभिन्न अवस्थाएँ

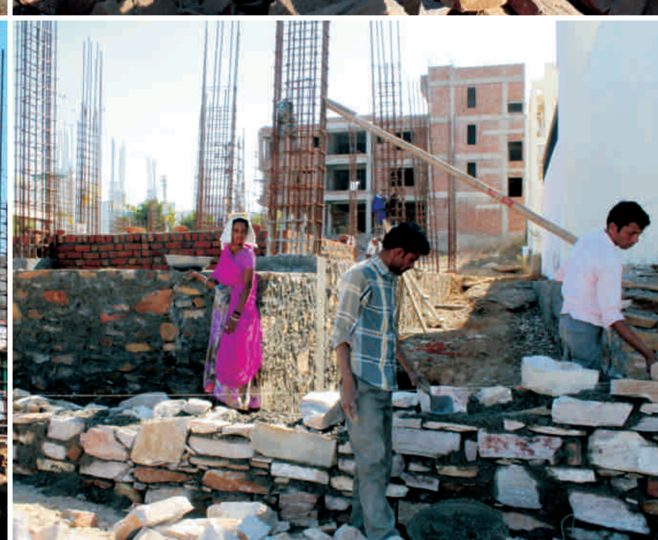

उनमें से हर कोई किसी न किसी भेष में भगवान है.

श्री अनिल गुप्ता, संरक्षक, तारा संस्थान

विशेष आभार

तारा संस्थान के नवीन वृद्धाश्रम भवन हेतु हमारे सभी दानदाताओं ने सहयोग देने का आश्वासन दिया है कुछ दानदाताओं ने सहयोग प्रदान भी किया है, इस भवन को दिल्ली निवासी उद्योगपति व समाज सेवी श्री अनिल जी गुप्ता (इस्कॉन) - श्रीमती सुमन जी एवं श्री सुरेश जी झांसडिया - श्रीमती रेणु जी ने अपने माता-पिता के नाम समर्पित करने का संकल्प लिया है तारा संस्थान आप दोनों परिवारों का हृदय से आभार व्यक्त करता है।

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के निर्माण में योगदान हेतु दान योजना

आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं और प्रतिमाह 2 के औसत से जानकारी मांगी जाती है जो वृद्धाश्रम में रहना चाहते हैं। जगह खाली नहीं होने की वजह से भविष्य में किसी भी बुजुर्ग को निराश नहीं लौटाना पड़े इस विचार के साथ तारा संस्थान ने बैंक लोन लेकर 7000 वर्ग फीट भूमि खरीदी। इस भूमि हेतु हमारे दानदाताओं ने मुक्तहस्त सहयोग किया। आशा है अब नवीन परिसर निर्माण हेतु भी आप समस्त भामाशाह उसी प्रकार खुले दिल से सहयोग करेंगे।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण ''दधिचि''	भवन निर्माण ''कर्ण''	भवन निर्माण ''भामाशाह''
रु. 1,00,000/-	रु. 51,000/-	रु. 21,000/-

देश भर से वरिष्ठ नागरिकों द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश हेतु भेजे गए पत्र

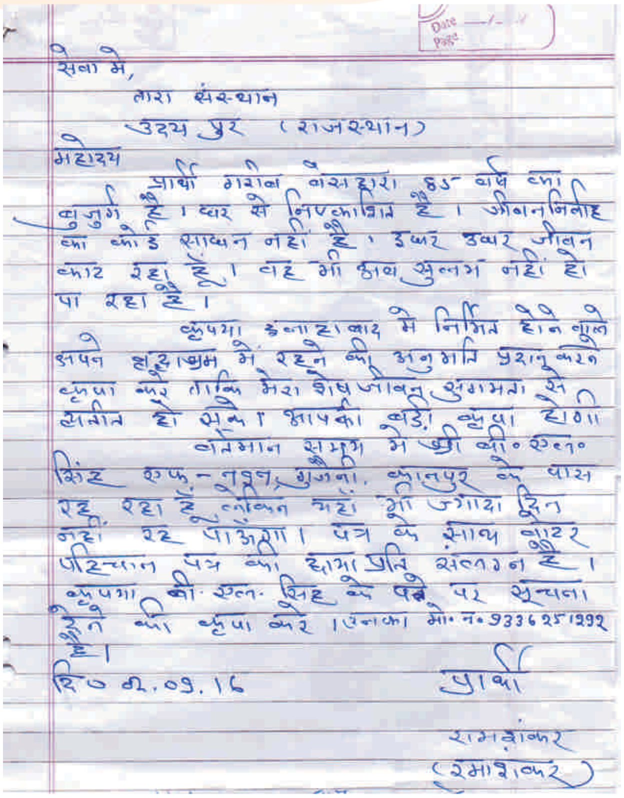

सेवा मे,
तारा संस्थान
उदय पुर (राजस्थान)

महोदय
प्रार्थी गरीब असहाय 85 वर्ष का बुजुर्ग है। घर से निष्कासित है। जीवन निर्वाह का कोई साधन नही है। इधर उधर जीवन काट रहा हूँ। वह भी अब सुलभ नहीं हो पा रहा है।
कृपया इलाहाबाद मे निर्मित होने वाले अपने वृद्धाश्रम मे रहने की अनुमति प्रदान करने कृपा करे ताकि मेरा शेष जीवन सुगमता से व्यतीत हो सके। आपकी बड़ी कृपा होगी।
वर्तमान समय मे श्री बी० एन० सिंह एफ-नयुन, गुजैनी, कानपुर के पास रह रहा हूँ लेकिन यहां भी ज्यादा दिन नहीं रह पाऊंगा। पत्र के साथ वोटर पहिचान पत्र की छाया प्रति संलग्न है।
कृपया बी॰ एन॰ सिंह के पते पर सूचना देने की कृपा करे। उनका मो॰ न॰ 9336251292 है।
दि० 21.09.16

प्रार्थी
रामशंकर
(रमाशंकर)

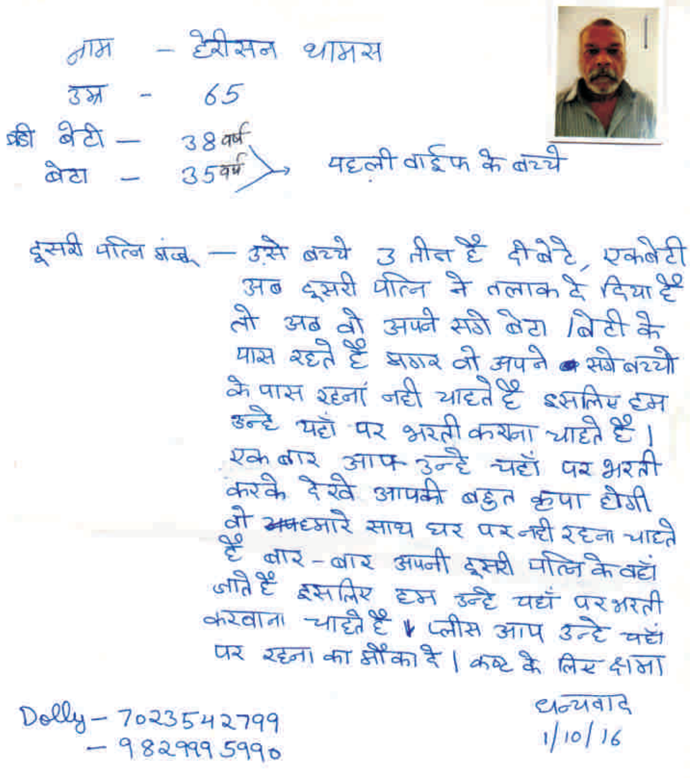

नाम - हैरीसन थामस
उम्र - 65
बड़ी बेटी - 38 वर्ष
बेटा - 35 वर्ष → पहली वाईफ के बच्चे

दूसरी पत्नि संबंध — उसे बच्चे 3 तीन है दो बेटे, एक बेटी
अब दूसरी पत्नि ने तलाक दे दिया है तो अब वो अपने सगे बेटा /बेटी के पास रहते है मगर वो अपने सगे बच्चो के पास रहना नही चाहते है इसलिए हम उन्हे यहां पर भरती करना चाहते है। एक बार आप उन्हे यहां पर भरती करके देखे आपकी बहुत कृपा होगी वो हमारे साथ घर पर नही रहना चाहते है बार-बार अपनी दूसरी पत्नि के वहां जाते है इसलिए हम उन्हे यहां पर भरती करवाना चाहते है। प्लीस आप उन्हे यहां पर रहने का मौका दे। कष्ट के लिए क्षमा

धन्यवाद
1/10/16

Dolly - 7023542799
- 9829995990

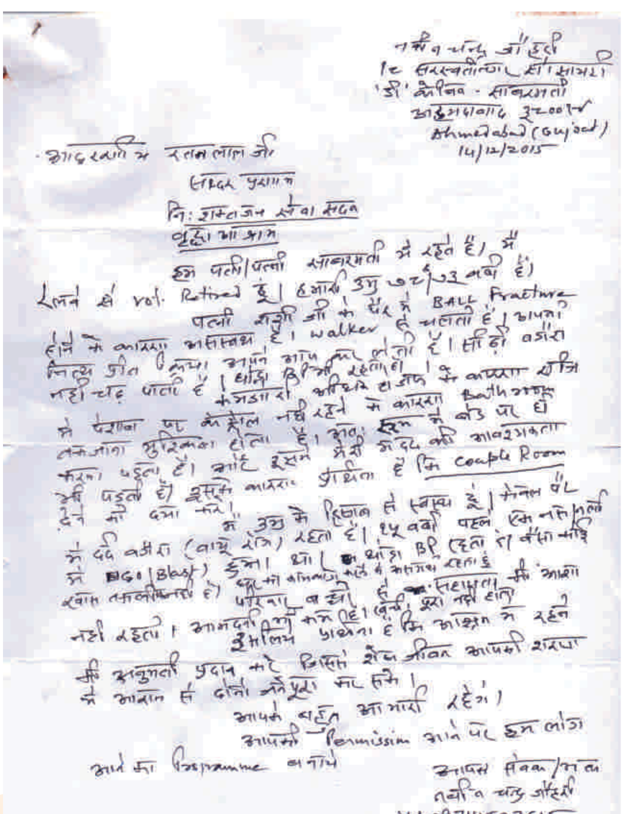

नवीन चन्द्र जौहरी
1c सरस्वतीनगर, साबरमती
'डी' केबिन - साबरमती
अहमदाबाद 380005
Ahmedabad (Gujarat)
14/12/2015

आदरणीय श्री रतन लाल जी
सेवक प्रशान्त
नि: ग्राम्यजन सेवा सदन
वृद्धाश्रम

हम पति/पत्नी साबरमती में रहते हैं। मैं रेलवे से vol. Retired हूँ। हमारी उम्र 82/73 वर्ष है। पत्नी ... के पैर में BALL Fracture होने के कारण असमर्थ है। walker से चलती हैं। ... हाँ बरसा ... नहीं चढ़ पाती हैं। ... Bath room ... कठिनाई होती है ... आवश्यकता ... प्रार्थना है कि Couple Room ... उम्र के हिसाब से स्वास्थ्य ठीक है। ... 25 वर्षों पहले ... BP रहता है ... BGO (Blast) हुआ था। ... सहायता ... नहीं रहता। ... इसलिए प्रार्थना है कि आश्रम में रहने की अनुमति प्रदान करें जिससे शेष जीवन आपकी शरण में आराम से दोनों जने पूरा कर सकें।
आपके बहुत आभारी रहेंगे।
आपकी Permission आने पर हम लोग आने का Programme बनायें

आपका सेवक/भवदीय
नवीन चन्द्र जौहरी
Mob-09714527615

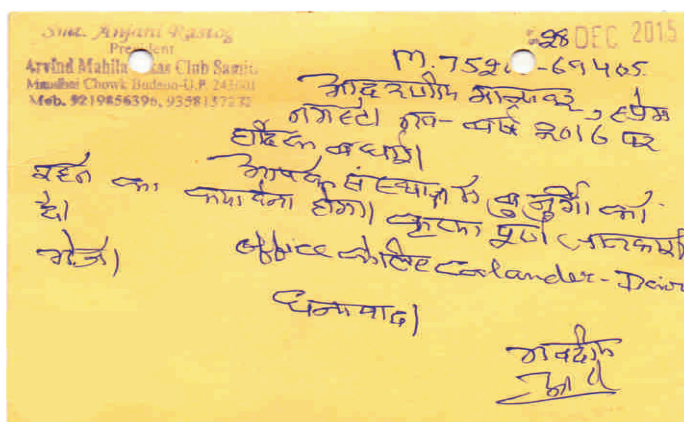

Smt. Anjani Rastogi
President
Arvind Mahila ... Club Samiti
... Chowk Budaun-U.P. 243601
Mob. 9219856396, 9358157232

28 DEC 2015

M. 7520-69405
आदरणीय महोदय,
नववर्ष 2016 पर हार्दिक बधाई।
आपके संस्थान में बुजुर्गों को रहने का कितना देना होगा। कृपया पूर्ण जानकारी देवें।
Office कोलिट Calander - Dairy
धन्यवाद।

नवदीप ...

तारा संस्थान में देश भर से कई बुजुर्गों व उनके परिजनों के पूछताछ पत्र, फोन, आदि आते रहते हैं।
ऊपर कुछ नमूने दिए गए हैं।

विशेष धन्यवाद

डॉ. जय मदान

डॉ. जय मदान को विशेष रूप से धन्यवाद अर्पित करते हैं। उन्होंने भी आनन्द वृद्धाश्रम के नवीन परिसर निर्माण हेतु सहयोग किया है।

आनन्द वृद्धाश्रम के नवीनतम मेहमान

श्री सुधीर कर्मकार

अगरतला नि. श्री सुधीर जी बहुत सालों पहले ही दिल्ली चले आए। वर्षों इधर–उधर संघर्ष करते – करते आखिर कार स्क्रीन प्रिंटिंग का व्यवसाय जमाने में सफल हो गए। फिर धीरे–धीरे आँखों की समस्या की वजह से धंधे में नुकसान होता चला गया। पुत्र के दुर्व्यव्हार से तंग आकर अपनी माता जी को अपने गाँव बड़े भाई के यहाँ छोड़कर तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में आ गए। बहुत अच्छा लग रहा है। सुधीर जी चाहते हैं कि वह अपनी माता जी को भी अपने साथ रखें जिसके लिए संस्थान ने खुशी – खुशी रजामंदी दे दी है।

श्रीमती तारा देवी

दहानू (महा.) निवासी 63 वर्षीय तारा देवी को उनके पति की मृत्यु के बाद उनके पुत्रों ने त्याग दिया। उन्हें न तो खाने–पाने को देते न ही प्रेम से रखते। सौभाग्यवश इनकी पुत्री उदयपुर में रहती है। इसलिए वह तारा देवी को आनन्द वृद्धाश्रम में ले आई। वह अब यहाँ काफी खुश है।

श्री कैलाश चन्द्र सोनी

94 वर्षीय मूलत : बाराबांकी (उ.प्र.) के निवासी श्री कैलाश चन्द्र जी सोनी बचपन से ही संघर्षरत रहे। विशेषकर पिताजी की मृत्यु के बाद। जैसे–तैसे पढ़ाई पूरी कर नौकरी की। विभिन्न पदों और स्थानों पर कार्य करते हुए ये 1980 में रिटायर हुए फिर कुछ सालों बाद उन्हें अपने एक पुत्र व पुत्री की मृत्यु भी देखनी पड़ी। पति–पत्नी दोनों ने जीवन के उतार–चढ़ाव साथ–साथ झेले लेकिन 2014 में पत्नी की मृत्यु के बाद थी कैलाश जी सोनी नितांत अकेले पड़ गए। चूंकि यह सेवा कार्यों से जुड़े हुए थे इसलिए एक सेवादार उन्हें आनन्द वृद्धाश्रम ले आया। अब बाकी जीवन अपने जैसे ही लोगों के साथ आनन्द से गुजार रहे हैं।

श्रीमती कल्पना दाधिच

राजसमन्द के पिपलिया गाँव में ब्याही कोटा निवासी कल्पना जी का जीवन ससुराल वालों ने दूभर कर रखा था। कोई संतान नहीं होने की वजह से पति कई वर्षों से बात नहीं करते थे। वह अकेली भूखी–प्यासी एक कमरे में पड़ी रहती थी। इनकी दशा देखकर इनकी उदयपुर निवासी बहन ने यहाँ बुला भेजा। कल्पना जी अब राजी खुशी आनन्द वृद्धाश्रम में रह रही हैं। अच्छा, खाना–पीना, सबसे हिल–मिल कर रहना। उनके अनुसार बहुत अच्छा सहारा मिल गया है। दानदाताओं को हार्दिक धन्यवाद।

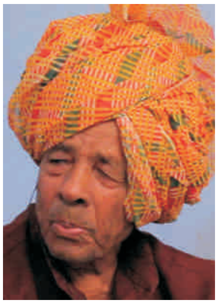

श्री मोहन लाल शर्मा

लगभग 80 वर्षीय मोहन लाल जी, रतलाम के निवासी थे। वर्षों पूर्व उनकी पत्नी व एकमात्र संतान पुत्री की मृत्यु के पश्चात बेसहारा इधर–उधर झटकते रहे। एक परिचित ने उन्हें यहाँ के बारे में बताया। सम्पर्क करके आनन्द वृद्धाश्रम आ गए। लगभग 3 माह से यहाँ रह रहे मोहन लाल जी आनन्द वृद्धाश्रम की सभी सुविधाओं से संतुष्ट एवं सबसे साथ प्रेम से रह रहे हैं। उनके अनुसार वृद्धों की देखभाल हेतु दान देने वाले भामाशाहों का निश्चित ही भला होगा।

श्रीमती कविता श्रीवास्तव

श्रीमती कविता श्रीवास्तव लखनऊ की है और उनकी शादी बनारस में हुई। और मात्र डेढ़ साल बाद उनके पति की दुर्घटनावश मृत्यु हो गई। फिर उनका ससुराल में समन्वय नहीं बैठ पाया तो अपने पिता जी के घर लौट आई। पिता जी कुछ रूढ़िवादी थे सो उन्होंने कविता जी को कभी नौकरी नहीं करने दी लेकिन हर तरह से मदद की। पिताजी की मृत्यु के बाद कुछ समय अपने भाई के साथ रही एक दिन अकेलेपन से परेशान होकर आत्महत्या करने निकली। लेकिन फिर मन बदल गया और 3–4 साल रेलवे स्टेशनों पर ही गुजार दिए। फिर एक दिन स्टेशन पर ही नारायण सेवा संस्थान के कार्यक्रम को देख उदयपुर चली आई और उन्होंने आनन्द वृद्धाश्रम भेज दिया। वर्तमान में कविता जी इलाहाबाद स्थित रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम में रह रही हैं।

नवीन परिसर में प्रस्तावित सुविधाएँ

कमरे व डॉरमिटरी हॉल मिलाकर लगभग 150 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था होगी। परिसर में ही पूजा हेतु मंदिर व सुबह – शाम सैर हेतु ट्रेक आदि। शहर के मध्य होने से इस वृद्धाश्रम के बुजुर्ग लोग बाजार निकटतम पार्क में व्यायाम हेतु आ जा सकते हैं। आवासीय किचन परिसर में ही समस्त वृद्धाश्रम वासियों हेतु नाश्ते और पौष्टिक व स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था। इंडोर गेम्स, कॉमन हॉल, टीवी के अतिरिक्त बुजुर्गों को समय–समय पर निकटवर्ती रमणीय एवं धार्मिक स्थलों के दर्शनार्थ ले जाना। वृद्धजनों के लिए पाक्षिक स्वास्थ्य जाँच, दवाइयाँ व नर्सिंग सुविधाएँ उपलब्ध होगी तथा गंभीर अवस्था में उन्हें तुरंत निकटवर्ती अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था रहेगी।

एक वरिष्ठ नागरिक आराम करते हुए

भोजन टेबल पर वरिष्ठ जन

स्वास्थ्य जाँच

टी.वी. देखते बुजुर्ग

एक महिला पूजा करते हुए

कोई व्यक्ति सिर्फ चाह कर नास्तिक नहीं बन सकता।

आनन्द वृद्धाश्रमवासियों की मस्ती भरी दिनचर्या

कुछ बालिकाएँ वृद्धजनों के मेहंदी लगाते हुए

दो मित्र चंगा बित्ति खेलते हुए

कुनकुनी धूप का आनन्द लेते

निम्बू-चम्मच रेस में भाग लेते हुए वरिष्ठ जन

कोई व्यक्ति अपने अधिकारों से ज्यादा अपने हितों के लिए लड़ेगा।

आनन्द वृद्धाश्रमवासियों के भोजन की तैयारी

वृद्धाश्रम इंचार्ज श्री चिमन भाई

महिलाएँ भोजन बनाती हुई

डाईनिंग हॉल में ताजा भोजन करते हुए

एक सच्चा आदमी किसी से नफरत नहीं करता।

तृप्ति योजना : मासिक राशन

कजोड़ी बाई

तकरीबन 60 वर्षीया कजोड़ी बाई के पति का देहांत हो चुका है। इनकी दृष्टि भी लगभग जा चुकी है। लड़का अन्य जगह मजदूरी करता है। इनके पास आय का कोई ठोस जरिया नहीं है। बस्ती में मांग–मांग कर गुज़ारा चलाती है। तारा संस्थान द्वारा उन्हें तृप्ति योजना के तहत राशन सामग्री व रु. 300 केश दिया जाता है। कजोड़ी बाई ने तारा संस्थान को लाखों धन्यवाद अर्पित किए।

गौरी योजना : विधवाओं को मासिक पेंशन रु. 1000

श्रीमती खेमी बाई

30 वर्षीय खेमी बाई के पति का टी.बी. से देहांत पिछले वर्ष हो गया। खेमी बाई अब स्वयं मजदूरी कर गुज़ारा चलाने की कोशिश करती हैं। लेकिन नियमित नहीं मिलती है। अब तारा संस्थान की मासिक पेंशन के 1000 रु. से दो छोटे–छोटे बच्चों की जैसे–तैसे बड़ा करने की कोशिश कर रही हैं। वे ही उसका सहारा है अब। श्रीमती खेमी बाई कहती है कि जिन दानदाताओं से मदद मिल रही वो माँ–बाप तुल्य हैं।

रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम - इलाहाबाद

तारा संस्थान द्वारा संचालित एक और वृद्धाश्रम इलाहाबाद में।

रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम

25/39, एल.आई.सी. कॉलोनी, टेगौर टाउन,
शांति निकेतन के सामने, इलाहाबाद (उ.प्र.)

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद व निकटवर्ती स्थानों के वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धाश्रम में आमंत्रण

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित आनन्द वृद्धाश्रम की एक और इकाई (ऊपर दिए गए समाचार में) इलाहाबाद में शुरू हो चुकी है। निकटवर्ती ग्रामीण व शहरों के निःसहाय वृद्धजनों, जिन्हें इस उम्र में कोई सहारा नहीं, वे इस आश्रम में निःशुल्क रह सकते हैं। खाने–पीने व स्वास्थ्य जाँच की भी सुविधा। **मुख्यतः 55 वर्ष से ऊपर की महिलाएँ व 60 से ऊपर के पुरुष, जो कि निर्धन, निःसंतान निराश्रित हों, वे आवेदन कर सकते है।** अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :– फोन नं. (0532) 2465035, मो. 7821055716

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरे –शन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जनवरी - 2017 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
02.01.2017	श्री सुनील जैन, निवासी - सीकर (राज.)	215	22	39	71
17.01.2017	श्रीमती मंजू जैन - श्री कैलाश जैन, निवासी - पीतमपुरा, दिल्ली	253	23	49	176
18.01.2017	श्रीमती मंजू बेन जी जैन, निवासी - प्रीत विहार, दिल्ली - 92	5 ऑपरेशन			
31.01.2017	श्री पोपटलाल भागचन्द मुणोत, निवासी - पुणे - 23	173	22	41	92

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

04.01.2017	श्री राधेश्याम व श्रीमती कमला शर्मा, निवासी - नवादा, नई दिल्ली - 59	202	16	52	79

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

20.01.2017	श्रीमती चन्द्रिका बेन वागरेचा, पलक ज्वेलर्स, मीरा रोड, मुम्बई	79	10	36	57
21.01.2017	श्रीमती इन्दिरा एन. जाजोदिया, निवासी - मुम्बई	10 ऑपरेशन			

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
08.01.2017	सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद	837	70	476	790
29.01.2017	सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद	565	78	264	415

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

समुद्र शांत हो तो कोई भी जहाज चला सकता है।

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
08.01.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	भीण्डर, उदयपुर	174	15	50	92
01.01.2017	श्री ब्रह्म चैतन्य महाराज, निवासी - ठाणे (वेस्ट), मुम्बई	थाना (वे.), मुम्बई	155	4	30	69
05.01.2017	श्रीमती प्रेम जी निझावन, दिल्ली	मोहन गार्डन, न्यू दिल्ली	530	19	225	486
08.01.2017	श्रीमती फेफी बाई सोहन लाल जी, निवासी - चैन्नई	भीण्डर, उदयपुर	174	15	50	92
08.01.2017	हीरा लाल मोहन देवी रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली	मोरी गेट, दिल्ली	585	15	420	560
12.01.2017	श्रीमती कविता वर्मा धर्मपत्नी श्री राजेश वर्मा	मेहंदीपुरी बाला जी (राज.)	671	30	368	642
14.01.2017	श्रीमती सुषमा जैन - श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	बोद्ध विहार, गाजियाबाद	580	13	384	568
15.01.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	सलुम्बर, उदयपुर	186	12	50	107
15.01.2017	नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लिंडनेस, दिल्ली	उत्तम नगर, न्यू दिल्ली	293	9	95	155
15.01.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	दहीसर, मुम्बई	522	26	314	488
15.01.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	फरीदाबाद	235	5	76	207
18.01.2017	जय श्री कृष्णा	नांगलोई, दिल्ली	1050	15	565	916
19.01.2017	श्रीमती सीमा जैन - श्री डी.बी. जैन (सी.एम.डी. बनाना ट्री)	साहिबाबाद, गाजियाबाद	1070	23	502	1012
22.01.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	वल्लभनगर, उदयपुर	149	08	24	97
22.01.2017	राजस्थान क्लब (देश की प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था)	शालीमार बाग, दिल्ली	560	19	282	546
29.01.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	डूंगला, चित्तौड़गढ़	142	10	31	69
29.01.2017	जय श्री कृष्णा	नांगलोई, न्यू दिल्ली	742	17	485	680

भूमि दान दाताओं की सूची

भूमि सेवा मनीषी

- जीवन संध्या ट्रस्ट, विले परले (ई.), मुम्बई

भूमि सेवा भूषण

- मैसर्स मिल स्टोर्स कारॅपोरेशन, बुन्देर, मुम्बई
- श्रीमती विमला देवी अग्रवाल, मलाड, मुम्बई
- श्री कौशल्या के. - श्री करतार सिंह राणा, मुम्बई
- श्री भूषण लाल जैन - श्रीमती जय माला जैन, हरिद्वार
- श्री शांति लाल - श्रीमती तुलसी बेन एस. पुरोहित, भाईंदर, मुम्बई
- श्री आदर्श ढाल, नई दिल्ली
- श्री चन्द्र शेखर मोदी, बीकानेर (राज.)

भूमि सेवा रत्न : 1,00,000 रु. **भूमि सेवा मनीषी : 51,000 रु.** **भूमि सेवा भूषण : 21,000 रु.**

श्री आर.एस. शेखावत : एक परिचय

श्रीमान् आर.एस. शेखावत, गुड़गाँव के निवासी है। आपकी रॉयल इंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रीकल ट्रेडर्स के नाम से फर्म है। आपकी फर्म द्वारा केबल का कार्य किया जाता है। आपश्री विगत 6 वर्षों से तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों से जुड़े हुए हैं। आपके सहयोग से कई बुजुर्ग जनों को राहत मिली है। आपश्री का निरन्तर सहयोग प्राप्त हो रहा है जिससे संस्थान के सेवा कार्यों को गति मिल रही है आपका व आपके पूरे परिवार की सुखद स्वास्थ्य की कामना के साथ संस्थान के लाभार्थियों की और से आपश्री को आभार।

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री मुकेश परिहार
जोधपुर (राज.)

श्रीमती स्नेहलता मित्तल
मुम्बई (महा.)

श्री चरणजीत आहुजा
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

श्री मनोज शास्त्री
इन्दौर (म.प्र.)

श्री विजय आनन्द गुप्ता
दिल्ली

श्रीमती रुमा बिरला एवं परिवार
गुड़गाँव

श्री गणपत सिंह
कुचामन, नागौर (राज.)

बी.आर. ज्वैलर्स
दिल्ली

श्रीमती पुष्पा एम. शर्मा
बलसाड़ (गुज.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

कछरोला परिवार, मोरबी (गुज.)

दिगम्बर जैन महिला मण्डल, फतेहपुर शेखावटी
सीकर (राज.)

श्री जे.पी. आर्य – श्रीमती मधु आर्य,
गंगापुर सिटी (राज.)

श्री रामचरण शर्मा – श्रीमती अनिता देवी शर्मा
सवाईमाधोपुर (राज.)

श्रीमती पुष्पा जैन
जबलपुर (म.प्र.)

श्री सुन्दर लाल कनोडिया
सिकन्दराबाद, हैदराबाद

श्री विनोद अग्रवाल
हैदराबाद

श्री प्रेम चन्द पुरी
अमलोह, पंजाब

श्री राजेन्द्र पाल सिंह चौहान
जयपुर (राज.)

श्री राजेन्द्र शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री दिनेश चन्द शर्मा
फिरोजाबाद (यू.पी.)

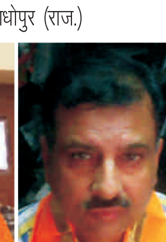

श्री देव नन्द तिरथानी
जयपुर (राज.)

अकेले हम कितना कम हासिल कर सकते हैं, साथ में कितना ज्यादा।

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Mani Kant & Mrs. Kusum Agrawal

Mr. Narayan & Mrs. Parvati Suthar
Jodhpur

Lt. Mrs. Indrakala - Mr. Manak Chand Jain
Chhoti Khatu (Nagaur), Rajasthan

Mr. R.K. - Mrs. Tripta Gupta
Ludhiana (PB)

Mr. Vijay & Mrs. Sarla Holani
Goregaon, Mumbai

Mr. & Mrs. Ravi Birala & Family
Gurgaon

Mr. & Mrs. Rajni Tikam
Mumbai

Mr. Mahesh Chand & Mrs. Tara Mittal
Jaipur (Raj.)

Mr. Subhash Mal & Mrs. Kanchan Kumari
Lodha, Chennai

Mr. Ram Kishan & Mrs. Bharti Agrawal
Agra (UP)

Mr. & Mrs. Prem Prakash Arya
New Delhi

Mr. Hukum Chand & Mrs. Vijay Mittal
Alwar (Raj.)

Mr. Manak Chand & Mrs. Narangi Devi Garg
Indore (MP)

Mr. Harish Chand & Mrs. Rekha Agrawal
Jaipur (Raj.)

Mr. Suresh & Mrs. Sushila Agrawal
Dayal Bagh, Agra (UP)

Mr. Krishna Gupta - Mrs. Hansa Gupta
Mandi (HP) - Copy

Mr. Rakesh Kumar Gupta & Family
Alwar (Raj.)

Mr. S.P. Saini & Mrs. Maya Devi
Meerut (UP)

Mr. K.M. Jain & Mrs. Sandhya Jain
Nagpur (MH)

Mr. & Mrs. M.C. Bangar
Shivni (MP)

Lt. Mr. Dwarkadas
Sankhlecha
Bikaner (Raj.)

Mr. Baij Nath Gupta
Ludhiana (PB)

Mrs. Kamlesh Puri
Jalandhar (PB)

Mr. Janak Raj Puri
Jalandhar (PB)

Mrs. Prem Lata Gupta
Ludhiana (PB)

Mrs. Urmila Talwar
Patiala (PB)

Mr. M.P. Talwar
Patiana (PB)

Mr. Jiva Raj Bhai Jaga
Bhai Gharadushiya,
Rajkot (Guj.)

Lt. Mr. Bhai Chand Bhai
Vagaji Bhai Khavathdia
Morbi (Guj.)

Mr. Rajni Bhai
Radhav Bhai
Patel, Thakra, Morbi (Guj.)

Mrs. Vijay Devi Gupta
Dosa (Raj.)

Mr. Deepak Gupta
Dosa (Raj.)

Mr. D.P. Goyal
Patiana (PB)

Mr. Baldev Krishna Aggarwal
Ludhiana (PB)

Mr. Vijay Singhal
Moga (PB)

Mrs. Asha Aggarwal
Ludhiana (PB)

Lt. Mrs. Sumitra Jain
Ambala Chawni (HR)

Mr. Baldev Raj Dhaal
New Delhi

Mrs. Adarsh Dhaal
New Delhi

Lt. Mr. Ramsingh Ji Udawat

Mr. Rajendra Seth
Udaipur (Raj.)

Mr. Rameshwar Lal
Rathi - Surat, Gujarat

Lt. Mrs. Ratni Devi Jain
Sikar (Raj.)

Mr. Krishna Govind
Bishnoi, Lucknow (UP)

Mr. Pavan Jhawar
Raipur (CG)

Mr. Bhojaraj Rathi
Bikaner (Raj.)

Lt. Mr. Tarun Jain
Meerut (UP)

यदि हम अपने काम में लगे रहे तो हम जो चाहें वो कर सकते हैं।

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Chhotu Singh & Mrs. Meena Udawat
Shaktinagar, Pali - Marwar (Raj.)

Mr. Ghanshyam Lal Rankawat
Mrs. Shanti Devi Harbansh, Borawad, Nagaur (Raj.)

Mr. K.C. - Mrs. Prabharani Agrawal
Meerut (UP)

Mr. Sita Ram - Mrs. Yashoda Devi Mali
Kuchera - Nagaur (Raj.)

Mr. Ghanshyam Bhai Sajubha Jhala -
Mrs. Sheetal Ba Jhala, Morbi (Guj.)

Lt. Mr. Ratanlal & Mrs. Jamunawati Taksali
Jaipur (Raj.)

Mr. & Mrs. Rajendra Taksali
Jaipur (Raj.)

Mr. Raghav Bhai Desai - Mrs. Manjula Ben
Sajanpar, Tankara, Morbi, Gujarat

Mr. Ratan Lal & Mrs. Ungam Bai Jain
Gorai Road, Borewali (MH)

Mr. Khemji Bhai Kesav Bhai Hariya
Lt. Mrs. Kanta Ben Mani Ben Hariya
Jamnagar (Guj.)

Mr. Kamlakar & Lt. Mrs. Kusum Kamlakar Shandilya
Ojar Village - Nasik (MH)

Mr. Vinay & Mrs. Shreyya Vinay Shandilya
Ojar Village - Nasik (MH)

Mr. Umesh Tekriwal & Family, Mumbai

Lt. Mrs. Shakuntla Jain
Ludhiana (PB)

Mrs. Archana Ji
Bhilai, Durg (CG)

Mrs. Rama Gupta
Jaipur (Raj.)

Mr. Mohan Lal Jain
Badmer (Raj.)

Mr. Fateh Lal Golia
Jaipur (Raj.)

Mrs. Shila Rani Garg
Rishikesh (UK)

Mrs. Laxmi Devi
W/o Mahaveer Chand Jain
Chennai

Mr. O.P. Lakher
Hamirpur (HP)

Mr. Dhansukh Narayan
Pandey, Bikaner (Raj.)

Mr. Ganpat Singh Soni
Alwar (Raj.)

Mr. Madan Lal Singhal
Badmer (Raj.)

Mr. R.P. Chaudhary
Jabalpur (MP)

Mrs. Daya Ben Vanjara
Rajkot (Guj.)

Mr. Naresh Rajpaal

Lt. Mr. Dwarka Das
Sankhlecha, Badmer (Raj.)

Mr. Shripaal Jain
Jaipur (Raj.)

Mr. Jai Prakash Agrawal
Bikaner (Raj.)

Mr. Ramchandra D.
Sencinina, Rajkot (Guj.)

Mr. Madan Lal Prajapat
Thane

Mr. J.P. Khetaan
Jaipur (Raj.)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केष/चैक/डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

जिस व्यक्ति के पास कल्पना नहीं है उसके पास पंख नहीं हैं।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad (Haryana) 121001
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Bharat Menaria
Area Mumbai
Cell : 07821855755

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 08866219767, 09829906319

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750.	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, फरवरी - 2017
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.

11000 रु. की संचित राशि से वृद्धाश्रम वासियों को हर साल एक निश्चित दिवस पर भोजन करवाएँ।

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

जो दानदाता आयकर में 35 AC के अन्तर्गत छूट प्राप्त करना चाहते हैं वे हमारे इस खाते में दान प्रेषित करें :
खाता सं. :- 693501700205 IFSC Code : ICIC0006935, ICICI बैंक, सेक्टर 4, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस	आस्था भजन	आस्था
'पारस' रात्रि 7:40 से 8:00 बजे	'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे	'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
बुजुर्गों के लिए...
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org